मुंबई स्मार्ट सिटी

RNI NO: MAHHIN2015/64303

बीएमसी के P/East और P/West वार्ड कमेटी के चेयरमैन चुने जाने पर हैदर अली असलम शेख को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ।

शुभेच्छुकः नानू भाई सोधा - पूर्व नगरसेवक, उपाध्यक्ष, मुंबई कांग्रेस, परमिंदर सिंह भामरा - पूर्व नगरसेवक, सचिव, मुंबई कांग्रेस, अमर ठाकोर, ध्रुव अमर ठाकोर

वर्ष: १० | अंक:२५ | मुंबई, १५ मार्च से २१ मार्च २०२६ | संपादक:युसुफ आदम पटेल | पृष्ठ-४ | मूल्य २/रू.

दावत-ए-इफ्तार में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं समेत बड़ी संख्या में लोगों की शिरकत

मुंबई में आयोजित दावत ए इफ्तार में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं समेत काफी संख्या में लोगों ने शिरकत की

राष्ट्रीय चेयरमैन, सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने हज हाउस मुम्बई में अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन फ़रहान आज़मी द्वारा आयोजित 'दावत-ए-इफ़्तार' में शिरकत की।

मुम्बई अध्यक्ष वर्षागायकवाड़. पूर्व मंत्री असलम शेख ., वरिष्ठ आमदार अमीन पटेल , प्रभारी अहमद ख़ान सहित बड़ी संख्या में लोगों ने एक साथ इफ्तार में शरीक होकर मुहब्बतों का पैग़ाम दिया।

मुंबई पुलिस ने बिहार-बंगाल के चोर गिरोह का किया भंडाफोड़, लाखों का सामान बरामद

मुंबई : पुलिस ने घरों में चोरी करने वाले एक इंटर-स्टेट गिरोह का पर्दाफाश किया है. यह कार्रवाई एम.आर.ए. मार्ग पुलिस स्टेशन के अधिकारियों द्वारा चलाए गए विशेष अभियान के दौरान की गई. इस अभियान के तहत पुलिस की टीम करीब दस दिनों तक बिहार और पश्चिम बंगाल की सीमा के आसपास गुप्त रूप से डटी रही और पूरे मामले की जांच करती रही. लंबी निगरानी और जांच के बाद पुलिस ने इस गिरोह के चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस ने उनके पास से लगभग 25 लाख रुपये की चोरी की संपत्ति बरामद की है. बरामद सामान में सोना, चांदी, नकदी, इलेक्ट्रॉनिक सामान और अन्य कीमती वस्तुएं शामिल हैं. पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि इस गिरोह का संबंध घरों में सेंधमारी के कई मामलों से है. अब तक सात चोरी की घटनाओं का खुलासा हो चुका है. ये सभी मामले मुंबई के अलग-अलग इलाकों से जुड़े बताए जा रहे हैं. आरोपी आम तौर पर रात के समय या उस वक्त चोरी करते थे जब घर में कोई मौजूद नहीं होता था.

जाकिर खान लीलावती अस्पताल में भर्ती, भाई अरबाज ने दिखाई झलक तो परेशान हुए फैंस

मुंबई : कॉमेडियन जाकिर खान ने बीते दिनों एक पोस्ट के जरिए स्टैंड-अप कॉमेडी से ब्रेक लेने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि जेनेटिक बीमारी के कारण उन्होंने ये कदम उठाया है। अब वह मुंबई के लीलावती

अस्पताल में भर्ती हैं, जहां से फोटो और वीडियो वायरल हो रहा है। उनके छोटे भाई अरबाद खान ने रमजान व्लॉग में कॉमेडियन की झलक दिखाई है, जिसके बाद से उनका चाहने वाला परेशान हो गया है। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में अरबाज अपनी पूरे दिन का हाल देने के बाद बताते हैं कि वह अस्पताल पहुंचे, जो किसी 5 स्टार होटल के रूम से कम नहीं। वहीं, थोड़ी देर बाद जाकिर खान नजर आते हैं, जिनसे वह हालचाल पूछते हैं। साथ ही वहां मौजूद सभी T20 वर्ल्डकप फाइनल भी देख रहे होते हैं। जिस पर कॉमेडियन कहते हैं, 'मैच अभी फंसा हुआ है।' यहां पर अंत में IPS अधिकारी मनोज कुमार शर्मा और उनकी पत्नी श्रद्धा भी दिखाई देते हैं, जिनके साथ जाकिर हंसी-ठहाके करते दिखते हैं।

मुंबई मेयर रितु तावड़े की गाड़ी पर 'लाल-नीली बत्ती' देख भड़के लोग

मुंबई, मुंबई की नवनियुक्त मेयर रितु तावड़े अपनी नई आधिकारिक गाड़ी को लेकर कानूनी विवादों के घेरे में आ गई हैं। विवाद की मुख्य वजह उनकी सरकारी महिंद्रा स्कॉर्पियो पर लगी लाल और नीली 'बीकन लाइट' (Flasher Lights) है। सोशल मीडिया पर गाड़ी की तस्वीरें वायरल होने के बाद, नागरिक और राजनीतिक विश्लेषक इसे 'वीआईपी कल्चर' (न्न्ध्न्र ण्ल्लूे) की वापसी बता रहे हैं। गौरतलब है कि मई २०१७ में केंद्र सरकार ने समानता को बढ़ावा देने के लिए आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर सभी सरकारी वाहनों पर लाल और नीली बत्ती के इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया था। विपक्ष और कानून के जानकारों का तर्क है कि मुंबई मेयर की गाड़ी पर इन लाइटों का होना 'केंद्रीय मोटर वाहन नियम' का सीधा उल्लंघन है। इन नियमों के अनुसार, केवल पुलिस, फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाओं को ही फ्लैशर लाइट इस्तेमाल करने का अधिकार है। मेयर पद एक सम्मानित प्रशासनिक पद है, न कि कोई इमरजेंसी सर्विस, ऐसे में लाइटों का इस्तेमाल कानूनन सवालों के घेरे में है। आलोचकों का कहना है कि २०१७ में जब ऐतिहासिक फैसला लिया गया था, तब इसका मकसद मंत्रियों और अधिकारियों के बीच से 'खास' होने के अहसास को खत्म करना था। मेयर रितु तावड़े की गाड़ी पर पुलिस जैसी लाइटें दिखना उस कानून की भावना के विपरीत है। कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि परिवहन विभाग को इस पर संज्ञान लेना चाहिए और अवैध रूप से बत्ती लगाने के लिए चालान काटा जाना चाहिए। रितु तावड़े मुंबई की राजनीति का एक कद्दावर चेहरा हैं। वे लगातार तीन बार अलग-अलग वार्डों से पार्षद चुनी गई हैं, जो उनकी जमीनी

रितु तावडे ने इस मुद्दे पर अपना पक्ष रखा कि मेरी गलती नहीं है यह प्रशासन की गलती है। मैंने इस मुद्दे पर मनपा आयुक्त से बात की तो उन्होंने माना की हमसे गलती हुई है। हम इसमे सुधार करेंगे।

पकड़ को दर्शाता है। मूल रूप से कांग्रेस में रहीं तावड़े ने २०१२ में भाजपा का दामन थामा और वार्ड नंबर १२७ से जीत दर्ज की। मराठा समुदाय से ताल्लुक रखने के बावजूद उन्होंने गुजराती बहुल क्षेत्रों में भी अपना दबदबा बनाया।

वे महाराष्ट्र प्रदेश महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष रह चुकी हैं और भाजपा का एक मुखर मराठी चेहरा मानी जाती हैं।

अजित पवार की बारामती सीट पर कब होगा मतदान?

EC ने किया ६ राज्यों की ८ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान

मुंबई, भारत के चुनाव आयोग ने चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा उपचुनावों की तारीखों की घोषणा कर दी है। इन सभी क्षेत्रों में मतदान अप्रैल महीने में होगा। इसके अलावा छह राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर भी उपचुनाव कराए जाएंगे। ये सभी सीटें मौजूदा विधायकों के निधन या अन्य कारणों से खाली हुई थीं। चुनाव आयोग ने इन उपचुनावों को दो चरणों में कराने की योजना बनाई है। पहले चरण में ९ अप्रैल को गोवा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा की पांच विधानसभा सीटों पर मतदान होगा। इनमें पोंडा (गोवा), बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण (कर्नाटक), कोरिडांग (नागालैंड) और धर्मनगर (त्रिपुरा) शामिल हैं। इन सीटों के लिए चुनाव अधिसूचना पहले ही जारी की जा चुकी है। इस चरण में महाराष्ट्र की राहुरी और बारामती तथा गुजरात की उमरेठ सीट शामिल हैं। यहां मतदान २३ अप्रैल को होगा। इन सीटों के लिए अधिसूचना ३० मार्च को जारी की जाएगी। इस चरण के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि ६ अप्रैल है। नामांकन पत्रों की जांच ७ अप्रैल को होगी, और ९ अप्रैल को नामांकन वापस लेने का अंतिम दिन निर्धारित किया गया है। इस चरण के परिणाम भी ४ मई को ही घोषित किए जाएंगे। महाराष्ट्र की बारामती

सीट के लिए मतदान दूसरे चरण के दौरान २३ अप्रैल को होगा। यह सीट NCP के पूर्व नेता अजित पवार के निधन के बाद खाली हुई थी। अब उनके परिवार की सदस्य सुनेत्रा पवार इस सीट से चुनाव लड़ेंगी। सुनेत्रा पवार ण्ड्ढ विधानमंडल दल की अध्यक्ष भी हैं और उन्होंने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। उनका राजनीतिक प्रभाव और पार्टी का समर्थन उन्हें इस चुनाव में एक मजबूत उम्मीदवार बनाते हैं।

पहले चरण में गोवा की पोंडा कर्नाटक की बागलकोट और दावणगेरे, नागालैंड की कोरिडांग और त्रिपुरा की धर्मनगर सीट पर ९

कुंभ में 'रेत के नीचे सिलेंडर' से लेकर लखनऊ मेट्रो तक; अखिलेश ने मुंबई के मंच से गिनाईं उपलब्धियां

मुंबई, समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव रविवार (15 मार्च 2026) को मुंबई के दौरे पर रहे, जहां उन्होंने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में अपने कार्यकाल के दौरान किए गए विकास कार्यों और नवाचारों का विस्तृत ब्यौरा पेश किया। उन्होंने मेट्रो से लेकर एक्सप्रेस-वे और सांस्कृतिक महोत्सवों तक, अपनी सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए वर्तमान भाजपा सरकार पर जमकर तंज कसा। अखिलेश ने दावा किया कि जो काम वर्तमान सरकार अब कर रही है, वे उन कार्यों को 11 साल पहले ही अंजाम दे चुके थे। अखिलेश यादव ने विशेष रूप से कुंभ मेले के दौरान सुरक्षा के लिए किए गए अनूठे प्रयोग का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए उनकी सरकार ने गैस सिलेंडरों को रेत के नीचे रखने का प्रावधान किया था, जिससे खाना तो बनता था लेकिन सिलेंडर फटने या आग लगने की दुर्घटनाओं की संभावना शून्य हो गई थी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा तकनीक और सुरक्षा को प्राथमिकता दी है।

मेट्रो, एक्सप्रेस-वे और आधुनिक बुनियादी ढांचा

अखिलेश यादव ने बुनियादी ढांचे के विकास पर बोलते हुए कहा कि यूपी में मेट्रो बनाना उनके घोषणापत्र का हिस्सा नहीं था, लेकिन जनता की जरूरत को देखते हुए उन्होंने 'मेट्रो मैन' ई. श्रीधरन को सलाहकार बनाया। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार ने देश की सबसे कम समय में बनने वाली 9 किलोमीटर की मेट्रो और देश का सबसे बड़ा सिंगल एलिवेटेड रोड बनाया। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'चलते एक्सप्रेस-वे पर हवाई जहाज उतारने का काम हम 11 साल पहले ही कर चुके थे, जिसे यह सरकार अब अपनी उपलब्धि बता रही है।' सपा प्रमुख ने पर्यावरण के क्षेत्र में किए गए बदलावों को साझा करते हुए बताया कि उन्होंने नियम बनाया था कि किसी ग्रीन बेल्ट का पहला पेड़ मंत्री नहीं बल्कि आखिरी पेड़ लगाएगा, जिससे विभागों ने जिम्मेदारी से काम किया और यूपी में वन क्षेत्र बढ़ा। तकनीक पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब उन्होंने लैपटॉप बांटने का फैसला लिया, तो उनकी आलोचना हुई, लेकिन आज तक उस प्रक्रिया पर कोई सवाल नहीं उठा सका। उन्होंने मजाकिया लहजे में यह भी कहा कि लैपटॉप ऑन होते ही उनकी और नेताजी (मुलायम सिंह यादव) की तस्वीर दिखती थी, जो आज भी जारी है। अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के कलाकारों के लिए 'यश भारती' सम्मान और फूलों वाली होली जैसी प्रथाओं की शुरुआत का श्रेय अपनी सरकार को दिया। उन्होंने कहा कि सैफई के साथ-साथ आगरा और झांसी महोत्सवों ने लोक कलाकारों को मंच दिया। अयोध्या के मुद्दे पर उन्होंने बताया कि उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 'भजन स्थल' का निर्माण शुरू किया था ताकि मंदिर दर्शन के बाद गरीब श्रद्धालुओं के रुकने और समय गुजारने की उचित व्यवस्था हो सके। उन्होंने कहा कि उनके विजन का उद्देश्य धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ गरीब श्रद्धालुओं को आधुनिक सुविधाएं देना था।

संपादकीय

दो टूक- गैस की कतारों से उठते सवालः कितनी सुरक्षित है भारत की ऊर्जा व्यवस्था?

मध्य-पूर्व में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच छिड़े संघर्ष ने दुनिया को एक बार फिर यह याद दिला दिया है कि आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था की नसों में बहने वाली ऊर्जा कितनी असुरक्षित है। होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव और समुद्री आवागमन के ठप होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में गहरा व्यवधान पैदा हुआ है, जिसका सबसे तीखा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर दिखाई दे रहा है। भारत में रसोई गैस अर्थात एलपीजी का संकट संसद से लेकर सड़क तक चर्चा का विषय बन गया है। देश के अनेक शहरों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं, कमर्शियल सिलेंडरों की किल्लत के कारण होटल-रेस्टोरेंट बंद हो रहे हैं और कालाबाजारी के समाचार निरंतर सामने आ रहे हैं। यह स्थिति केवल अस्थायी आपूर्ति बाधा का मामला नहीं है बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा की संरचनात्मक कमजोरियों को उजागर करने वाला गंभीर संकेत है।

वैश्विक ऊर्जा मानचित्र में होर्मुज जलडमरूमध्य की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह लगभग २१ मील चौड़ा समुद्री मार्ग दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा 'चोकपॉइंट' माना जाता है। वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का लगभग २० प्रतिशत इसी संकरे मार्ग से होकर गुजरता है। सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और इराक जैसे बड़े ऊर्जा निर्यातक देश अपने तेल और गैस के विशाल भंडार को दुनिया के बाजारों तक पहुंचाने के लिए इसी मार्ग पर निर्भर हैं। ऐसे में जब इस क्षेत्र में युद्ध या सैन्य तनाव बढ़ता है तो पूरी दुनिया की ऊर्जा व्यवस्था अस्थिर हो जाती है। वर्तमान संघर्ष ने भी यही किया है। ईरान द्वारा होर्मुज क्षेत्र में समुद्री गतिविधियों को सीमित करने और जहाजों पर संभावित हमलों की चेतावनी ने कई टैंकरों को रोक दिया है, जिससे एलपीजी और एलएनजी के जहाज समुद्र में फंस गए हैं और आयात पर निर्भर देशों को बड़ा झटका लगा है।

भारत के लिए यह संकट इसलिए अधिक गंभीर है क्योंकि देश की ऊर्जा संरचना में एलपीजी की भूमिका पिछले एक दशक में अत्यधिक बढ़ गई है। भारत आज हर वर्ष लगभग ३ करोड़ टन से अधिक एलपीजी का उपभोग करता है लेकिन घरेलू उत्पादन इस मांग का आधा हिस्सा भी पूरा नहीं कर पाता। शेष आवश्यकता खाड़ी देशों से आयात करके पूरी की जाती है। अनुमान है कि भारत में आने वाली एलपीजी का ८० से ९० प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर ही गुजरता है। यही कारण है कि जैसे ही इस मार्ग में व्यवधान आया, उसका सबसे पहला और सबसे तेज असर भारत की रसोई पर दिखाई देने लगा। यह एक कठोर सच्चाई है कि भारतीय परिवारों की ऊर्जा सुरक्षा काफी हद तक एक संकरे समुद्री मार्ग पर निर्भर है। इसी संकट के दौरान पैट्रोल और डीजल की उपलब्धता अपेक्षाकृत सामान्य बनी हुई है। पैट्रोल पंपों पर न तो लंबी कतारें दिखाई दे रही हैं और न ही कीमतों में अचानक उछाल आया है। इसका कारण यह है कि भारत ने पिछले वर्षों में कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर अपेक्षाकृत अधिक लचीला ढांचा विकसित किया है। आज भारत ४० से अधिक देशों से कच्चा तेल आयात करता है और रूस, अमेरिका तथा अफ्रीका के कई देशों से आने वाला तेल ऐसे मार्गों से भारत पहुंचता है, जो होर्मुज पर निर्भर नहीं हैं। इसके अतिरिक्त भारत के पास रणनीतिक पैट्रोलियम भंडार भी मौजूद हैं, जिनमें आपातकालीन परिस्थितियों के लिए लाखों बैरल कच्चा तेल संग्रहीत किया जाता है। इन भंडारों और विविध आपूर्ति स्रोतों के कारण पैट्रोल और डीजल की उपलब्धता तुरंत प्रभावित नहीं होती।

यह है मीरा भायंदर के सरकारी अस्तालों की हालत

आईसीयू में चूहे के काटने के बाद ८९ वर्षीय महिला की मौत

राजनीतिक दलों में आक्रोश, महापौर, उपमहापौर का अस्पताल का जायज़ा

मीरा भायंदरः भायंदर पश्चिम स्थित पंडित भीमसेन जोशी गवर्नमेंट (टेंभा) हॉस्पिटल में कथित रूप से चूहे के काटने की घटना के बाद ८९ वर्षीय महिला मरीज की मौत हो गई है। इस घटना ने अस्पताल की स्वच्छता व्यवस्था और प्रशासनिक लापरवाही को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मृतका की पहचान सुहासिनी माठेकर (८९) के रूप में हुई है। उन्हें १२ मार्च को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था और वह अस्पताल की चौथी मंजिल स्थित अतिदक्षता कक्ष (आईसीयू) में वेंटिलेटर पर उपचाराधीन थीं।

परिजनों के अनुसार, रविवार देर रात आईसीयू में एक चूहे ने उनके हाथ को बुरी तरह कुतर दिया, जिससे उनके हाथ से खून निकलने लगा। सोमवार सुबह करीब छह बजे जब परिजन उन्हें देखने के लिए आईसीयू में पहुंचे, तब उन्हें इस घटना का पता चला। उन्होंने बताया कि उसी समय हाथ कुतरने वाला चूहा वहां से भाग गया।

परिजनों ने इस घटना को अस्पताल प्रशासन की गंभीर लापरवाही बताते हुए कड़ी नाराजगी जताई। एक परिजन ने कहा, 'आईसीयू जैसे संवेदनशील विभाग में, जहां सामान्य लोगों के प्रवेश पर भी पाबंदी होती है, वहां मरीज को चूहे द्वारा काटे जाने की घटना बेहद चिंताजनक है।'

इस घटना के बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने अस्पताल परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और चिकित्सा अधीक्षक के कार्यालय में पहुंचकर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

एमएनएस नेता सचिन पोपळे ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा, 'आईसीयू में भर्ती गंभीर मरीज तक चूहे का पहुंच जाना अस्पताल प्रशासन की घोर लापरवाही को दर्शाता है। इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।'

घटना के बाद अस्पताल प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि संबंधित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और मामले की जांच के लिए एक समिति गठित की गई है। अधिकारी ने कहा, 'घटना की जांच के लिए समिति बनाई गई है और संबंधित स्टाफ को शो-कॉज नोटिस जारी किया गया है। जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।'

गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों से स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा भायंदर के इस सरकारी अस्पताल में सुविधाओं में सुधार होने का दावा किया जा रहा था और यहां मरीजों की संख्या भी बढ़ रही थी। हालांकि इस घटना और मरीज की मौत के बाद अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली और मरीजों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। विरोध को देखते हुए महापौर डिम्पल मेहता और उपमहापौर ध्रुव किशोर पाटील ने हॉस्पिटल का जायज़ा लिया और कार्यवाई का भरोसा दिलाया।

मालाड के सुप्रसिद्ध समाजसेवक जमील मर्चेंट ने पिछले दिनों एक एक रोजा इफ्तार पार्टी में पहुंचकर सभी रोजेदारों को रमजान की मुबारकबाद दी तथा सभी को एडवांस में ईद की भी मुबारकबाद दिया।

SC/ST एक्ट पर संजय शिरसाट का यू-टर्न; बोले- कानून में कोई बदलाव नहीं, जो था वही रहेगा

महाराष्ट्र की राजनीति में एए/एऊ (एट्रोसिटी) एक्ट को लेकर छिड़ा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। विधानसभा के भीतर दिए गए एक बयान पर भारी विरोध और दलित संगठनों के आक्रोश के बाद, महाराष्ट्र के सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट ने अपने रुख पर 'यू-टर्न' ले लिया है। पहले सदन में यह संकेत दिए गए थे कि सरकार इस कानून के तहत होने वाली 'सीधी गिरफ्तारी' की प्रक्रिया में बदलाव कर सकती है, लेकिन अब मंत्री ने स्पष्ट किया है कि कानून में किसी भी तरह का संशोधन नहीं किया जाएगा और पुरानी व्यवस्था ही प्रभावी रहेगी।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब सदन में यह चर्चा उठी कि एट्रोसिटी एक्ट के दुरुपयोग को रोकने के लिए मामलों की पहले एक समिति द्वारा जांच की जानी चाहिए। विपक्षी दलों और दलित समुदायों ने इसे केंद्र और राज्य द्वारा एट्रोसिटी कानून को कमजोर करने की साजिश करार दिया, जिसके बाद सरकार को बैकफुट पर आना पड़ा।

विधानसभा सत्र के दौरान मंत्री संजय शिरसाट ने वक्तव्य दिया था कि एट्रोसिटी एक्ट के तहत अब सीधी गिरफ्तारी नहीं होगी, बल्कि आरोप सही पाए जाने पर ही कार्रवाई की जाएगी। जैसे ही यह खबर बाहर आई, महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में दलित संगठनों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि देवेंद्र फडणवीस सरकार दलितों के अधिकारों का संरक्षण करने वाले सबसे मजबूत कानून को निष्प्रभावी बनाना चाहती है। चूंकि महाराष्ट्र की राजनीति में दलित मतदाता एक निर्णायक भूमिका निभाते हैं, इसलिए सरकार ने तुरंत डैमेज कंट्रोल की प्रक्रिया शुरू कर दी।

जब ऑस्कर में एआर रहमान से हुई थी चूक, लीड सिंगर से मांगी थी माफी

ऑस्कर 2026 के बीच एक पुराना किस्सा फिर सुर्खियों में आया। दो ऑस्कर और दो ग्रैमी विजेता एआर रहमान ने अपने कालजयी गाने जय हो के लिए पूरी दुनिया में भारत का मान बढ़ाया था। दिलचस्प बात यह है कि इसी गाने के लिए ऑस्कर लेते वक्त रहमान मंच पर सिंगर सुखविंदर सिंह का नाम लेना भूल गए थे, जिसके लिए उन्होंने बाद में माफी भी मांगी थी। आज जब ऑस्कर के मंच पर अवॉर्ड्स की चमक दिख रही है, तो रहमान और सुखविंदर की जुगलबंदी और उनके बीच के उस माफी वाले किस्से को फैंस एक बार फिर याद कर रहे हैं। बता दें यह मामला 2008 की सुपरहिट फिल्म स्लमडॉग मिलियनेयर के गाने 'जय हो' से जुड़ा है। एआर रहमान के म्यूजिक और गुलजार साहब के लिखे इस गाने ने पूरी दुनिया में धूम मचा दी थी। इस गाने को सुखविंदर सिंह, तन्वी शाह, महालक्ष्मी अय्यर और विजय प्रकाश ने अपनी आवाज दी थी। इस गाने के लिए रहमान को बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर का ऑस्कर मिला था, लेकिन जब वह स्टेज पर अवॉर्ड लेने पहुंचे, तो उन्होंने अपनी स्पीच में कई लोगों का नाम लिया और उन्हें क्रेडिट दिया, लेकिन जल्दबाजी में वह लीड सिंगर सुखविंदर सिंह का नाम लेना भूल गए। इस घटना के कई सालों बाद एआर रहमान ने एक इंटरव्यू में सुखविंदर से इसके लिए माफी मांगी। उन्होंने बताया कि अवॉर्ड लेते समय उनके दिमाग में इतनी सारी बातें चल रही थीं कि गलती से सुखविंदर का नाम उनके जेहन से उतर गया। ऑस्कर के अलावा जय हो गाने ने 2010 में बेस्ट सॉन्ग रिटन फॉर मोशन पिक्चर की कैटेगरी में ग्रैमी अवॉर्ड भी अपने नाम किया था। वैसे एआर रहमान और सुखविंदर सिंह की जोड़ी ने मणिरत्नम की फिल्म दिल से के उस यादगार गाने छइयां छइयां में भी साथ काम किया था, जिसमें शाहरुख खान और मलाइका अरेड़ा का ट्रेन वाला डांस आज भी हर किसी के जेहन में ताजा है। कुछ समय पहले डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा ने एक इंटरव्यू में दावा किया था कि 'स्लमडॉग मिलियनेयर' के ऑस्कर विनिंग गाने जय हो गाने को एआर रहमान ने नहीं, बल्कि सिंगर सुखविंदर सिंह ने कंपोज किया था, लेकिन बढ़ते विवाद को देखते हुए राम गोपाल वर्मा ने साफ किया कि उन्होंने ऐसा कुछ भी दावा नहीं किया है। राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी सफाई देते हुए लिखा-मेरी नजर में एआर रहमान न सिर्फ सबसे महान संगीतकार हैं, बल्कि उन सबसे अच्छे इंसानों में से एक हैं जिनसे मैं आज तक मिला हूं। वह कभी किसी दूसरे का क्रेडिट छीनने के बारे में सोच भी नहीं सकते।

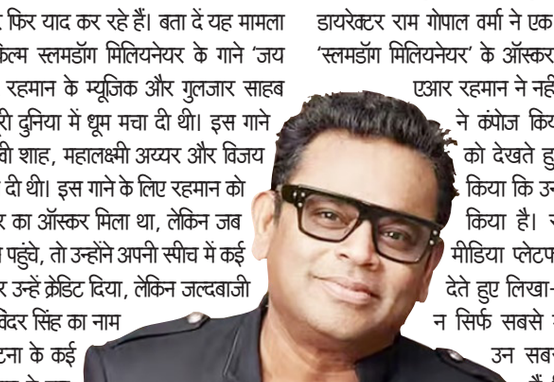

सैमसन ने माना एक बार उनके दिमाग में भी शतक लगाने का विचार आया था

मुम्बई (ईएमएस)। टी20 विश्वकप में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय क्रिकेट टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बल्लेबाज संजू सैमसन टूर्नामेंट में तीन बार शतक के करीब आकर भी उसे पूरा नहीं कर पाये क्योंकि टीम की जरुरतों के हिसाब से उन्होंने तेजी से खेला। इसी को लेकर एक कार्यक्रम में संजू ने माना है कि एक बार उसके मन में शतक बनाने का विचार आया पर अगले ही पल उसे लगा कि शतक से अधिक टीम की जीत जरुरी है। इसलिए उसने शतक का विचार छोड़कर टीम की जरुरतों के हिसाब से खेलना तय किया। सैमसन ने पांच मैचों में कुल 321 रन बनाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 199.37 का रहा। वह टूर्नामेंट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उनके पास तीन बार शतक लगाने का अवसर था पर उन्होंने निजी उपलब्धि की चिंता नहीं की। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ करो या मरो सुपर-8 मैच में नाबाद 97 रन बनाये जबकि इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 89 रन बनाए। इसके अलावा न्यूजीलैंड के विरुद्ध फाइनल में 89 रन बनाये। सैमसन ने कहा, लोग कहते हैं कि मैं तीन बार शतक नहीं लगा पाया पर मुझे लगता है उससे बहुत बड़ा काम हुआ है। मैंने शतक न बनाकर अधिक बेहतर योगदान दिया। मुझे ऐसा ही लगता है हालांकि मैं ये नहीं कहूंगा कि मैंने 100 के बारे में सोचा ही नहीं। हर किसी की तरह ही मेरे मन में भी आया था कि एक बार 100 बन जायें तो और अधिक मजा आयेगा पर बाद में सोचा कि जिस प्रकार खेलते हुए मैं यहां तक पहुंचा हूं, वैसे ही खेलूंगा। सैमसन ने गौतम गंभीर की बात को बल दिया कि टीम में निजी उपब्धियों की जगह टीम गेम जरुरी है। सैमसन ने कहा कि मेरा भी मानना है कि टीम सबसे पहले है। । शुरुआत से ही तय हो गया था कि सभी टीम हित को सबसे पहले रखेंगे। सैमसन ने माना कि शुरुआत में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने से वह हताश थे।

गोरेगांव में बीएमसी की बड़ी कार्रवाई, 13 अवैध दुकानों पर चला बुलडोजर

मुंबईः महानगरपालिका ने अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गोरेगांव पूर्व में 13 अवैध दुकानों को तोड़ दिया। यह कार्रवाई 10 मार्च को की गई, जिसे नगर निगम के पी साऊथ वार्ड ने अपने Encroachment Removal Drive के तहत अंजाम दिया।

नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक इन दुकानों ने सड़क और सार्वजनिक जगह पर कब्जा कर रखा था, जिससे पैदल चलने वालों को काफी परेशानी हो रही थी।शहर और स्थानीय मार्गदर्शिका

एस वी रोड और 5D Road पर कार्रवाई

कार्रवाई के दौरान Swami Vivekanand Road (SV Road) पर बनी 3 अवैध दुकानों को पूरी तरह तोड़ दिया गया।

इसके अलावा Goregaon West के 5D Road पर बनी 10 दुकानों के अवैध बढ़े हुए हिस्सों को हटाया गया। अधिकारियों ने बताया कि इन दुकानों ने फुटपाथ और सार्वजनिक जगह घेर रखी थी, जिससे लोगों के आने-जाने में दिक्कत हो रही थी।शहरी सार्वजनिक परिवहन

अवैध फेरीवालों पर भी हुई कार्रवाई

नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि दुकानों के अलावा आसपास illegal hawkers के खिलाफ भी कार्रवाई की गई।

इन फेरीवालों की वजह से सड़क और फुटपाथ पर भीड़ बढ़ रही थी और यातायात तथा पैदल चलने वालों के लिए रास्ता बाधित हो रहा था।

इस कार्रवाई में Maintenance Department, Encroachment Removal Department और Licensing Department के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से हिस्सा लिया।

मशीनरी और पुलिस सुरक्षा की व्यवस्था

इस अभियान में नगर निगम के 5 अधिकारी और 25 कर्मचारी शामिल थे।

कार्रवाई के दौरान 1 JCB मशीन, 1 ट्रक, 1 मालवाहक वाहन और गैस कटर का इस्तेमाल किया गया।

अभियान के दौरान किसी तरह की अप्रिय घटना न हो, इसके लिए बांगूर नगर पुलिस स्टेशन की ओर से पर्याप्त पुलिस सुरक्षा भी तैनात की गई थी।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी

नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध निर्माण और encroachment के खिलाफ यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

नगर निगम का कहना है कि सड़क और फुटपाथ को अतिक्रमण से मुक्त रखने के लिए ऐसे अभियान लगातार चलाए जाएंगे।मुलुंड में भी हाल ही में हुई थी बड़ी कार्रवाई

इससे पहले फरवरी महीने में मुलुंड पश्चिम सरदार वल्लभभाई पटेल रोड पर भी नगर निगम ने बड़ा अभियान चलाया था।

उस दौरान 61 अवैध निर्माणों को तोड़ा गया और रेलवे स्टेशन के पास लगभग 1100 वर्ग मीटर अतिक्रमित जमीन खाली कराई गई। इस कार्रवाई में 4 JCB मशीनें, 7 डंपर और अन्य उपकरण इस्तेमाल किए गए थे। करीब 70 नगर निगम अधिकारी और कर्मचारी तथा पुलिस बल मौके पर मौजूद था।

अंधेरी के एक कैफ़े से चल रहे टिंडर हनीट्रैप रैकेट का भंडाफोड़

इस्माईल खान

मुंबई : एक टिप मिलने पर कि टिंडर के ज़रिए पुरुषों को फंसाकर उनसे पैसे ठगे जा रहे हैं, पुलिस की एक टीम ने अंधेरी ईस्ट में 'हेवन टेरेस 72' रेस्टोरेंट पर छापा मारा। एक पंच गवाह और एक नकली ग्राहक की मदद से, साकीनाका पुलिस ने 13 लोगों के खिलाफ ईंद दर्ज की। सभी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जिसने उन्हें 16 मार्च तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने बताया कि यह कैफे पुरुषों और महिलाओं के एक ग्रुप के साथ मिलकर यह रैकेट चलाता था, जो डेटिंग ऐप के ज़रिए पीड़ितों को फंसाते थे। कैफे पहुंचने पर, पीड़ितों से बढ़ा-चढ़ाकर बिल वसूले जाते थे।

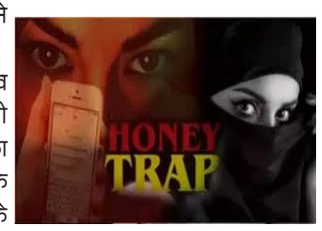

शिकायतकर्ता पंकज गोविंद यादव (38), जो खार वेस्ट के एक कारोबारी हैं, ने नकली ग्राहक की भूमिका निभाई। अधिकारियों ने उन्हें ऐप के ज़रिए एक महिला से मिलने और कैफे जाने का निर्देश दिया। जब दोनों कैफे के अंदर पहुंचे, तो पुलिस टीम भी उनके पीछे-पीछे गई और देखा कि दो कर्मचारी ज़मीन पर बैठे एक आदमी से बहस कर रहे थे। उस आदमी ने पुलिस को बताया कि उसने शराब का सिर्फ़ एक पेग पिया था, लेकिन उससे 25,000 रुपये मांगे जा रहे थे। जांच में पता चला कि मयूर डिडोले और नितेश अमदासकर कैफे चलाते थे। मयंक कटुरिया (20) मैनेजर था, मोहसीन खान (28) कर्मचारी था, और जतिन कुमार (24) बाउंसर था। जांच में यह भी सामने आया कि कर्मचारी कथित तौर पर शराब के बजाय पानी परोसते थे और उसके लिए बहुत ज़्यादा पैसे वसूलते थे; यादव के मामले में, कैफे ने पानी के लिए 18,616 रुपये का बिल बनाया था। कैफे के पास शराब परोसने का लाइसेंस भी नहीं था। पुलिस की पूछताछ में महिलाओं ने बताया कि शोएब और अज़ीम सिद्दीकी टिंडर पर पुरुषों की प्रोफाइल पहचानने में उनकी मदद करते थे। फिर वे उन पुरुषों को कैफे में मिलने के लिए बुलाते थे, जहां यह ग्रुप ठगी की वारदात को अंजाम देता था। गिरफ्तार किए गए 13 संदिग्धों के नाम हैंः अश्मिन मलिक, परी उपाध्याय, निहारिका कौर, मोहसीन खान, मयंक कटुरिया, मयूर डिडोले, नितेश अमदासकर, जतिन कुमार, फैज़ल अली, दीपक दास, साहिल कुशवाहा, शोएब और अज़ीम सिद्दीकी। इनमें से तीन महिलाएं दिल्ली की रहने वाली हैं, जबकि बाकी पुरुष मुंबई के हैं। भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(2) (जबरन वसूली), 318(4) (धोखाधड़ी) और 3(5) (सामान्य आशय) के तहत, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के साथ-साथ एक मामला दर्ज किया गया है।

बहराइच पुलिस का बड़ा खुलासाः चोरी-छिनैती की ७ घटनाओं का पर्दाफाश, दो शातिर गिरफ्तार

उ प्र बहराइच। कोतवाली नगर पुलिस ने चोरी और छिनैती की वारदातों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के भीतर हुई 07 घटनाओं का सफल अनावरण कर दिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 04 चोरी की मोटरसाइकिल, एक लेडीज पर्स और 1330 रुपये नकद बरामद कर दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक, शहर के अलग-अलग इलाकों से लगातार मोटरसाइकिल चोरी और छिनैती की घटनाएं सामने आ रही थीं। मामले को गंभीरता से लेते हुए उच्चाधिकारियों के निर्देश पर कोतवाली नगर पुलिस की विशेष टीम गठित की गई। टीम ने जांच और मुखबिर की सूचना के आधार पर रामलीला मैदान तिराहा मोड़ से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान

1. उत्सव यादव उर्फ चुन्नी (20 वर्ष) पुत्र मंशाराम यादव, निवासी वशीरगंज, थाना कोतवाली नगर

2. रिजवान उर्फ बउरा (20 वर्ष) पुत्र कादिर, निवासी काजीपुरा उत्तरी, थाना कोतवाली नगर, बहराइच

पुलिस ने इनके कब्जे से बजाज पल्सर (UP40 V 3339), सुपर स्प्लेंडर (UP42 AR 9878), मोटरसाइकिल UP40 AF 6641 और हीरो स्प्लेंडर (UP40AC1051) बरामद की हैं। इसके अलावा छिनैती की घटना से जुड़ा भूरे रंग का लेडीज पर्स, पाउडर की डिब्बी, हनी आलमंड क्रीम और 1330 रुपये नकद भी बरामद किए गए।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी चोरी की मोटरसाइकिल से ही वारदातों को अंजाम देते थे। इसी मोटरसाइकिल से खैरीघाट क्षेत्र में एक महिला से बाला छीनने की घटना को भी अंजाम दिया गया था।

मुख्य आरोपी उत्सव यादव उर्फ चुन्नी पहले भी कई मामलों में जेल जा चुका है। उसके खिलाफ चोरी, लूट और मारपीट जैसे कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक संजय गौतम, अमित प्रताप सिंह, राजेश कुमार सिंह, रविशंकर, धीरेन्द्र कुमार समेत पुलिस टीम के अन्य जवान शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में चोरी और छिनैती की घटनाओं पर सख्ती से कार्रवाई जारी रहेगी और अपराधियों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे।

तिलकनगर इलाके में नाबालिग के साथ गैंगरेप, आरोपी गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई के तिलकनगर इलाके में एक नाबालिग के साथ गंभीर यौन अपराध की घटना सामने आई है। यह घटना पिछले महीने हुई थी, लेकिन पीड़िता ने अब हिम्मत जुटाकर १३ मार्च २०२६ को तिलकनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई की और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) व पॉक्सो अधिनियम के तहत केस दर्ज किया। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नूरुद्दीन आफताब अजीमुद्दीन सैयद आजमी (५५) और अनीस अहमद तौफीक चौधरी (४७) के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, दोनों आरोपी पीड़िता के परिचित थे।

मामले की जांच में सामने आया कि पीड़िता अपनी बड़ी बहन के कहने पर राशन कार्ड में नया नाम जोड़वाने के लिए आरोपी के पास गई थी। आरोपी ने सहायता का आश्वासन दिया और पीड़िता को अकेला देखकर सुनसान जगह ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुराचार किया। घटना के बाद आरोपियों ने नाबालिग को धमकी दी कि यदि उसने इस बारे में किसी को बताया तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। पीड़िता डर गई थी, लेकिन अंततः हिम्मत दिखाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि क्या आरोपियों ने इससे पहले भी किसी अन्य व्यक्ति को अपने झांसे में फंसाकर इसी तरह का अपराध किया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना चेंबूर के छेड़ा नगर बस स्टॉप के पास हुई। आरोपियों ने पीड़िता के भरोसे का फायदा उठाया और सुनसान जगह पर ले जाकर अपराध अंजाम दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत गिरफ्तारियाँ की और मामले की विवेचना शुरू कर दी। तिलकनगर पुलिस ने कहा कि इस तरह के मामलों में समय पर शिकायत दर्ज कराना बेहद आवश्यक है। उन्होंने जनता से अपील की कि किसी भी संदेहजनक या आपराधिक गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें ताकि ऐसे अपराधियों को पकड़ा जा सके।

इस घटना से इलाके में सुरक्षा और बच्चों के संरक्षण को लेकर चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता की सराहना की और प्रशासन से इस तरह के अपराधों की रोकथाम के लिए कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। पॉक्सो अधिनियम और आईपीसी के तहत आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि जल्द ही आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जाएगा और आरोपी की पहचान व अन्य आपराधिक पृष्ठभूमि की भी जांच की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर यह दर्शाया कि बच्चों और नाबालिगों की सुरक्षा के लिए जागरूकता और समय पर कार्रवाई कितनी जरूरी है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच पूरी होने तक आरोपी हिरासत में रहेंगे और पीड़िता को सुरक्षा और मानसिक सहारा दिया जाएगा।

13 साल पहले सतना से लापता हुआ ग्रेजुएट युवक ठाणे के मनोरुग्णालय से पहुँचा अपने घर

ठाणे, मानसिक रूप से बीमार एक युवक जो 13 साल पहले मध्यप्रदेश के अपने घर से लापता होकर मुंबई आ गया था। वह फिर से अपने परिवार में पहुंच गया है। यह सम्भव हो पाया है,ठाणे के प्रादेशिक मनोरुग्णालय के डॉक्टरों और स्टाफ़ के संवेदनशील इलाज एवं प्रयास से। बताया गया कि लगभग 13 साल पहले, अफ़ज़ल (बदला हुआ नाम), मानसिक रूप से बीमार युवक जो ग्रेजुएट था, वह अपने गांव से भटकते भटकते मुंबई आ गया। मुंबई के बांद्रा पुलिस स्टेशन की सीमा में घूमता हुआ मिला था। अत्यधिक खराब मानसिक स्थिति से वह अपने बारे में कोई जानकारी नहीं दे रहा था,

इसलिए पुलिस ने उसे पांच महीने पहले इलाज के लिए रीजनल साइकेट्रिक हॉस्पिटल, ठाणे में भर्ती कराया था। उस मरीज़ का इलाज हॉस्पिटल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. नेताजी मुलिक के मार्गदर्शन और साइकेट्रिस्ट डॉ. आशीष पाठक की देखरेख में किया गया। शुरू में उसने अपने बारे में कोई साफ़ जानकारी नहीं दी। अस्पताल के सोशल सर्विस सुपरिटेंडेंट सतीश वाघ के अनुसार उसका पता ट्रेस करना मुश्किल था क्योंकि वह बांद्रा, दिल्ली और कभी मध्य प्रदेश या उत्तर प्रदेश जैसे अलग-अलग पते बताता था। इसी बीच पिछले सप्ताह, इलाज और काउंसलिंग के दौरान उसने अपने गांव का नाम रामनगर, जिला सतना (मध्य प्रदेश) बताया। इस जानकारी के आधार पर, हॉस्पिटल ने तुरंत सतना ठाणे पुलिस स्टेशन से संपर्क किया और मरीज़ की जानकारी और फ़ोटो ऑफिसर विजय त्रिपाठी को भेजी। लोकल लेवल पर सर्च करने के बाद, मरीज़ के रिश्तेदारों को सिर्फ़ एक घंटे में ट्रेस कर लिया गया।

हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन ने रिश्तेदारों से वीडियो कॉल के ज़रिए मरीज़ की पहचान कन्फ़र्म की। उसके बाद, मरीज़ का भतीजा, भाभी और दूसरे रिश्तेदार तुरंत ठाणे पहुंचे इस मामले में डिप्टी सुपरिटेंडेंट डॉ. प्राची चिवटे, सोशल सर्विस सुपरिटेंडेंट सतीश वाघ, साइकेट्रिस्ट नर्स मानसी दुखंडे, तेजस्विनी पवार और दूसरे स्टाफ ने काफी मेहनत की।

उस मरीज के दोस्त सलीम शेख ने बताया कि हम मित्र परिवार ने उसकी उम्मीद छोड़ दी थी। 'अफजल पढ़ा-लिखा ग्रेजुएट है और उसे लिखने का बहुत शौक था। लेकिन बिगड़ती दिमागी हालत की वजह से वह अचानक घर छोड़कर चला गया।

मीरा रोड में अवैध कचरा डंपिंग पकड़ी गई; युवा नगरसेवक की सतर्कता से कार्रवाई, ₹२०,००० का जुर्माना

नजमुल हसन रिज़वी

मीरा भायंदरः मीरा रोड के हैदरी चौक परिसर में अवैध रूप से ओला कचरा और मलबा (डेब्रिस) फेंकने की घटना का भंडाफोड़ सबसे युवा नगरसेवक तारेन वेंचर मेंडोन्सा की सतर्कता से हुआ। उनकी सूचना पर पुलिस और मीरा भायंदर महानगरपालिका (MBMC) ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दो ट्रकों और एक जेसीबी को पकड़ा तथा ₹२०,००० का जुर्माना लगाया।

यह घटना शनिवार, १४ मार्च २०२६ को सुबह लगभग ९:१५ बजे मनपा प्रभाग कार्यालय के पास, सर्वे नंबर ४९८ (हिस्सा नंबर ९) और सर्वे नंबर ६०४ (हिस्सा नंबर 4A), प्रवीण बिल्डर्स के नजदीक सामने आई। यहां मेसेर्स स्नेहा ट्रांसपोर्ट के दो ट्रक और एक जेसीबी अवैध रूप से कचरा और मलबा डंप करते हुए पकड़े गए। सूचना मिलने के बाद नया नगर पुलिस स्टेशन से पुलिस उपनिरीक्षक राजेश पवार और यातायात पुलिस अधिकारी मोहन चौकवार मौके पर पहुंचे। मीरा भायंदर महानगरपालिका के स्वच्छता निरीक्षक अनिल राठोड ने घटना की रिपोर्ट घन कचरा प्रबंधन विभाग (SWM) मुख्य कार्यालय को भेजी, जिसके बाद संबंधितों पर ₹२०,००० का जुर्माना लगाया गया। कार्रवाई के तहत एक ट्रक को जब्त कर मनपा प्रभाग कार्यालय में रखा गया है। कार्रवाई के दौरान सहायक आयुक्त जितेंद्र आर. कांबळे भी मौके पर उपस्थित थे। जब्त किए गए वाहनों के नंबर MH 04 DD 7299, MH 48 J 0072 और MH 47 AG 2658 बताए गए हैं।

इस कार्रवाई के बाद युवा नगरसेवक तारेन वेंचर मेंडोन्सा ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे शहर में कहीं भी अवैध गतिविधि दिखने पर आगे आएं और संबंधित अधिकारियों को तुरंत जानकारी दें। 'शहर में स्वच्छता और कानून व्यवस्था बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। यदि कहीं भी अवैध कचरा डंपिंग या कोई गलत गतिविधि दिखाई दे, तो युवा आगे आएं और इसकी सूचना प्रशासन को दें, ताकि तुरंत कार्रवाई हो सके,' मेंडोन्सा ने कहा।

उन्होंने कहा कि नागरिकों और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाया जा सकता है।

शेयर बाजार में मुनाफे का झांसा देकर 1 करोड़ की ठगी, नवी मुंबई पुलिस ने महापे में पकड़ा फर्जी कॉल सेंटर

मुंबई, नवी मुंबई में शेयर बाजार में निवेश कर अधिक मुनाफा कमाने का लालच देकर लोगों से एक करोड़ रुपये से अधिक की कथित धोखाधड़ी करने वाले एक फर्जी 'कॉल सेंटर' का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है और इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस की वित्तीय खुफिया और साइबर इकाइयों ने एक गुप्त सूचना के आधार पर 12 मार्च को राबाले एमआईडीसी थाना क्षेत्र के अंतर्गत महापे के एक औद्योगिक इलाके में संचालित 'कॉल सेंटर' पर छापेमारी की। नवी मुंबई पुलिस ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'छापेमारी के दौरान परिसर में 22 युवक-युवतियां काम करते हुए पाए गए, जो कंप्यूटर का उपयोग करते हुए व्हाट्सएप चैट तथा फोन कॉल के माध्यम से संभावित पीड़ितों से बातचीत कर रहे थे।' उन्होंने बताया कि यह परिसर एक शेयर बाजार अनुसंधान कंपनी के नाम से संचालित हो रहा था। पुलिस ने कहा, 'कंप्यूटर से बरामद 'चैट' विवरण से पता चला है कि पीड़ितों को कंपनी के माध्यम से शेयर बाजार में निवेश करने पर अधिक मुनाफे का वादा किया गया था और उन लोगों से ऑपरेटर द्वारा दिए गए बैंक खातों में पैसे हस्तांतरित करने के लिए कहा गया था।' विज्ञप्ति के अनुसार, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि 'कॉल सेंटर' ने भुगतान लिंक भेजकर और पीड़ितों को कंपनी के साथ-साथ 18 अन्य बैंक खातों में पैसे हस्तांतरित करने का निर्देश देकर कम से कम 1.02 करोड़ रुपये की कथित धोखाधड़ी की थी। पुलिस ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर कॉल सेंटर से जुड़े बैंक खातों की भी जांच की और पाया कि देश भर से साइबर धोखाधड़ी की कम से कम पांच शिकायतें इन खातों से जुड़ी हुई थीं।

अदानी पावर प्लांट में मजदूर की मौत के बाद भड़का गुस्सा, मजदूरों ने प्लांट में लगाई आग, कई गाड़ियां जली

मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में स्थित अदानी पावर के पावर प्लांट में एक मजदूर की संदिग्ध मौत के बाद हालात अचानक बेकाबू हो गए। मजदूरों में फैले आक्रोश ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया और प्लांट परिसर में तोड़फोड़ के साथ कई गाड़ियों को आग के हवाल कर दिया गया। स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि पुलिस की गाड़ियों तक को नहीं बख्शा गया और पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा। घटना की शुरुआत तब हुई जब प्लांट में काम करने वाले एक मजदूर की अचानक मौत की खबर फैल गई। जैसे ही यह जानकारी अन्य मजदूरों तक पहुँची, आक्रोश भड़क उठा। मजदूरों का आरोप था कि मौत की असली वजह छिपाई जा रही है। इसके बाद प्लांट के अंदर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया जो देखते ही देखते हिंसक झड़पों में बदल गया। इस पूरे मामले को लेकर सबसे बड़ा सवाल मजदूर की मौत की वजह को लेकर खड़ा हो गया है। अलग-अलग रिपोर्टों में तीन अलग-अलग दावे सामने आ रहे हैं। कुछ रिपोर्टों में कहा गया कि मजदूर की मौत हार्ट अटैक से हुई। वहीं दूसरी ओर यह भी कहा जा रहा है कि वह ऊंचाई से गिरने के कारण हादसे का शिकार हुआ। लेकिन मजदूरों के बीच तीसरी चर्चा भी तेजी से फैल रही है–कि मौत से पहले उसके साथ मारपीट या प्रताड़ना की गई थी। यही वजह है कि मामला अब केवल एक दुर्घटना तक सीमित नहीं रह गया है। अगर मौत सामान्य कारणों से हुई थी तो सवाल उठ रहा है कि फिर मजदूर इतने गुस्से में क्यों आ गए कि पूरे प्लांट में आगजनी और तोड़फोड़ करने पर उतर आए। मजदूरों का कहना है कि जब तक पूरी सच्चाई सामने नहीं आती, तब तक उनकी शंकाएँ खत्म नहीं होंगी। घटना के बाद प्रशासन ने मामले की जांच शुरू करने की बात कही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस और प्रशासन का कहना है कि स्थिति को नियंत्रण में कर लिया गया है और हिंसा में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। दरअसल सिंगरौली को देश की ऊर्जा राजधानी भी कहा जाता है, जहाँ बड़े पैमाने पर बिजली उत्पादन होता है। लेकिन इसी इलाके से समय-समय पर मजदूरों की सुरक्षा, पर्यावरण प्रदूषण और जमीन से जुड़े विवादों की खबरें भी सामने आती रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उद्योगों के विस्तार के बीच उनकी समस्याओं को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। इस घटना के बाद एक बार फिर उद्योगों में मजदूरों की सुरक्षा को लेकर बहस तेज हो गई है। सवाल यह भी उठ रहा है कि औद्योगिक विकास के साथ काम करने वाले मजदूरों की सुरक्षा और सम्मान को कितनी प्राथमिकता दी जा रही है। अब सभी की नजर जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी हुई है। असली वजह सामने आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि यह एक सामान्य हादसा था या इसके पीछे कोई और सच्चाई छिपी हुई है। फिलहाल सिंगरौली की यह घटना कई गंभीर सवाल खड़े कर गई है–क्या सच सामने आएगा और क्या मजदूर को न्याय मिल पाएगा?

महाराष्ट्र में बढ़ता ड्रग्स का जाल, ड्रग्स माफिया पर मकोका के तहत कड़ी कार्रवाई की जाए असलम शेख

विगत दिनों विधानसभा में नशे के खिलाफ विधायक असलम शेख ने आवाज उठायी। संपूर्ण महाराष्ट्र में ड्रग्स का जाल फैल रहा है। विधानसभा में कितनी भी जोरदार आवाज उठाई जाए, लेकिन नशीले पदार्थों की बिक्री करने वालों पर कोई ठोस कार्रवाई या डर दिखाई नहीं देता। कुल मिलाकर यह ड्रग्स माफिया युवाओं के भविष्य को अंधकारमय बना रहे हैं।

आज माननीय मुख्यमंत्री ने कितने करोड़ रुपये के ड्रग्स जब्त किए गए और किन-किन स्थानों पर कार्रवाई की गई, इसकी विस्तृत जानकारी सदन के सामने रखी। पिछले कई अधिवेशनों में मैंने ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ 'मकोका' के तहत कार्रवाई करने की मांग की थी। आज जब 'मकोका' जैसा सख्त कानून लागू है, तब भी इतने बड़े पैमाने पर ड्रग्स की बरामदगी होना आखिर किस बात का संकेत है? अगर यह स्थिति ऐसे ही जारी रही तो मेक्सिको जैसी स्थिति बनने में ज्यादा समय नहीं लगेगा।

ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ 'मकोका' के तहत कड़ी कार्रवाई होना ही चाहिए, लेकिन इसके साथ ही उनकी संपत्ति भी जब्त की जानी चाहिए, ताकि इन माफियाओं पर वास्तविक रूप से कड़ा असर पड़े और उन्हें सबक मिले।

ओल्ड एमएचबी कॉलनी के मैदान से हटाया गया कचरा, बीएमसी ने जेसीबी से कराई सफाई

ओल्ड एमएचबी कॉलनी के मैदान में बड़ी मात्रा में कचरा जमा होने के कारण आसपास के नागरिकों को काफी परेशानी हो रही थी। स्थानीय लोगों द्वारा इस संबंध में शिकायत प्राप्त होने के बाद तुरंत कार्रवाई की गई।

शिकायत का संज्ञान लेते हुए बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) की ओर से जेसीबी मशीन बुलाकर पूरे मैदान और आसपास के क्षेत्र की सफाई कराई गई तथा जमा कचरे को हटाया गया। क्षेत्र को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखने के लिए सभी नागरिकों से सहयोग करने की अपील की गई है।

मढ क्षेत्र में डीप क्लीनिंग अभियान, मुख्य सड़क पर सफाई और फॉगिंग का कार्य

माननीय विधायक असलम शेख साहब के मार्गदर्शन में तथा माननीय नगरसेविका संगीता ताई कोळी के प्रयासों से प्रभाग क्रमांक 49, मढ क्षेत्र में चर्च से बापिश चर्च तक मुख्य सड़क पर सघन स्वच्छता (डीप क्लीनिंग) अभियान चलाया गया।

इस अभियान के अंतर्गत धुआँ फवारणी (फॉगिंग), सड़क की सफाई तथा पानी की फवारणी जैसे कार्य किए गए, जिससे पूरे परिसर की सफाई सुनिश्चित की जा सके।

इस अवसर पर माननीय सहायक आयुक्त कुंदन वळवी साहब भी उपस्थित रहे। साथ ही मेंटेनेंस अधिकारी, घनकचरा प्रबंधन अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारियों का इस अभियान में सहयोग रहा। इस सफल स्वच्छता अभियान के लिए सभी अधिकारियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का नगरसेविका संगीता ताई कोळी ने मनपूर्वक आभार व्यक्त किया।

२४ साल पुराने बैंक फ्रॉड केस में फरार आरोपी गिरफ्तार, केंद्रीय जांच ब्यूरो ने मुंबई से दबोचा, ११ साल थी तलाश

मुंबई : केंद्रीय जांच ब्यूरो ने २४ साल पुराने बैंक धोखाधड़ी मामले में बड़ी कार्रवाई की है. एजेंसी ने फरार चल रहे आरोपी हरपाल सिंह आहूजा को गिरफ्तार कर लिया है.हरपाल इस मामले में घोषित अपराधी है. वो पिछले करीब ११ साल से कानून से बचता फिर रहा था, वहीं केंद्रीय जांच ब्यूरो लगातार उसकी तलाश कर रही थी. केंद्रीय जांच ब्यूरो के मुताबिक, इस बैंक धोखाधड़ी के मामले में केस २७ अप्रैल २००१ को दर्ज किया गया था. जांच पूरी होने के बाद एजेंसी ने १९ मार्च २००३ को हरपाल सिंह आहूजा और अन्य आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी थी. बताया गया है कि हरपाल सिंह आहूजा इस पूरे मामले का मुख्य साजिशकर्ता था उसी ने इस धोखाधड़ी की साजिश रची थी. केंद्रीय जांच ब्यूरो ने बताया कि ट्रायल के दौरान साल २०१४ में हरपाल सिंह आहूजा फरार हो गया था. इसके बाद २ अगस्त २०१४ को गाजियाबाद स्थित केंद्रीय जांच ब्यूरो की विशेष अदालत ने उसे अपराधी घोषित कर दिया था. बाद में अदालत ने १ अगस्त २०१७ को उसके खिलाफ ओपन डेटेड अरेस्ट वारंट भी जारी किया था.

इस बीच, मामले में बाकी आरोपियों के खिलाफ ट्रायल पूरा हो चुका है, लेकिन हरपाल सिंह आहूजा की गैरमौजूदगी की वजह से उसके खिलाफ सुनवाई अब तक लंबित थी. केंद्रीय जांच ब्यूरो की टीम लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई थी. एजेंसी के अनुसार, पिछले ११ सालों के दौरान आरोपी हरपाल मुंबई और फरीदाबाद के बीच लगातार अपना ठिकाना बदलता रहा, ताकि वह गिरफ्तारी से बच सके. काफी कोशिशों और लगातार ट्रैकिंग के बाद आखिरकार केंद्रीय जांच ब्यूरो को कामयाबी मिली और जांच एजेंसी ने हरपाल सिंह आहूजा को १२ मार्च २०२६ को गिरफ्तार कर लिया. हरपाल सिंह की गिरफ्तारी मुंबई के कल्याण इलाके से हुई. गिरफ्तारी के बाद आरोपी को गाजियाबाद लाया गया, जहां उसे केंद्रीय जांच ब्यूरो की विशेष अदालत में पेश किया गया.अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. केंद्रीय जांच ब्यूरो को २४ साल पुराने बैंक फ्रॉड केस में बड़ी सफलता मिली है.

नायगांव स्थित बपाणे और ससूनवघर क्षेत्र बना है अवैध निर्माणों का गढ़, मनपा आयुक्त व क्षेत्रीय विधायक का मौन धारण करना उत्पन्न करता है संदेह....

वसई : वसई विरार शहर मनपा प्रभाग समिति जी कार्यक्षेत्र नायगांव स्थित ससूनवघर, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे (NH 48) पर कानून कायदों को ताक पर रखकर बेखौफ़ कई हजार स्क्वायर फीट में अवैध नव निर्माण को अंजाम दिया जा रहा है, ऐसा नहीं कि उक्त विषय की जानकारी मनपा में आसीन अतिक्रमण अभियंता मनोज घरत और सह आयुक्त निलेश म्हात्रे को नही है, किंतु इनके द्वारा भी आर्थिक लेन देन कर उक्त अवैध नव निर्माणों को संरक्षण दिया जा रहा है...?? सूत्रों की माने तो उक्त अवैध नव निर्माणों को पर्दे के पीछे क्षेत्रीय आमदार स्नेहा दुबे पंडित का भी संरक्षण प्राप्त है..?? बता दें कि पिछले दिनों आमदार स्नेहा दुबे पंडित द्वारा अवैध निर्माणों को लेकर जोर शोर में विरोध किया गया था.. किंतु अब उनके ही क्षेत्र में जोर शोर में हो रहा अवैध नवनिर्माण आमदार के कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा कर रहा है..?? यदि वाकई आमदार का अवैध निर्माणों को लेकर विरोध है तो तत्काल प्रभाव से उक्त अवैध नव निर्माणों को तत्काल प्रभाव से निष्काशित कराने अथवा संबंधित अवैध निर्माणकर्ताओं पर कानूनी कार्रवाई करानी चाहिए...!!यदि वहीं बात करे मनपा आयुक्त मनोज कुमार सूर्यवंशी की तो पिछले दिनों इनके द्वारा भी जोर शोर में अवैध निर्माणों पर बुल्डोजर चला लेकिन समय के साथ वह भी ठंडा हो गया...!! अब वह मात्र दिखावा ही साबित हो रहा है...!! महापौर द्वारा भी अवैध निर्माणों पर लगाम कसने की बात कही गई, किंतु वह भी हवा हवाई ही प्रतीत हो रही है.....??फिलहाल देखना होगा कि उक्त अवैध नव निर्माणों को कब जमीदोंज किया जाता है..??

दिनांक 15 मार्च 2026 को वार्ड 48 अंतर्गत वंदे मातरम मैदान में भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त महामंत्री श्री विनोद शेलार जी का सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें उपस्थित भारतीय जनता पार्टी के मालवणी मंडल की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति गाडगिल जी महामंत्री अशोक पांडे कार्यक्रम के आयोजक मंगेश चौधरी जी गुरदयाल यादव जी हसन भाई जरूर खान इब्राहिम शेख संजय दुबे साजन तिवारी जगदीश गुप्ता श्याम नारायण झा प्रिया सिंह प्रदीप गौड़ चंपालाल लोहार जी सुमन तिवारी रोमा दीक्षित जी बालाजी पटवारी अयोध्या प्रसाद निषाद धनंजय गुप्ता विवेक यादव सुशील शर्मा गुलफाम खान प्रशांत डोके प्रदीप सिंह जीतू यादव रंजीत शर्मा निलेश चौधरी रेशि एलेक्स जी डेनियल एलेक्स विजय साबणे तथा उपस्थित जन समुदाय सभी ने अपनी हार्दिक शुभेच्छा प्रकट की और प्रकृति की कहर के मुख्य संपादक श्री अष्टानंद पांडे जी तथा उमर अब्दुल्ला ने पूरी सभा को मीडिया कवरेज दिया बड़े ही उमंग के साथ सभी ने आदरणीय विनोद शेलार जी का स्वागत किया और आने वाले समय के लिए सभी ने अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रकट की।

मुंबई स्मार्ट सिटी हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक युसुफ आदम पटेल द्वारा एस.आर पब्लिकेशन मोहन अर्जुन कंपाउंड, गोडाऊन नं. 8,9,10 घरटन पाडा के पास, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, दहिसर पूर्व, मुंबई 400068, से छपवाकर रूम नं. डी १, हैप्पी होम सोसायटी, प्लॉट नं. ८७,म्हाडा मालवणी , मालाड(पश्चिम),जिला मुंबई- ४०००९५ से प्रकाशित किया
संपादक -युसुफ आदम पटेल मो. 9819967628 .RNI NO.:MAHHIN2015/64303 (सभी विवादों के लिए न्यायक्षेत्र मुंबई होगा)